कृषि उत्पादन में लागत और आय का तुलनात्मक अध्ययन

(सिहोर जिले के संदर्भ में)

डॉ0 पूजा कश्यप
सहायक प्राध्यापक
बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल

प्रस्तावना :– कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता का सीधा संबंध कृषि निवेश, श्रम तथा कृषि प्रौद्योगिकी के उपयोग से है। इन सम्बन्धों को स्थापित करने के लिये कृषि अर्थशास्त्र में अनेक अध्ययन हुये हैं, जिनमें कृषि प्रौद्योगिकी का उत्पादकता से धनात्मक सह–सम्बन्ध स्थापित किया है । कृषि प्रौद्योगिकी के उपयोग का सीधा सम्बन्ध जोत के आकार से है, क्योंकि बड़े किसानों में इसका उपयोग अधिक होता है जोत का आकार जैसे – जैसे छोटा होता जाता है, प्रौद्योगिकी का उपयोग कम होता जाता है। अनेक अध्ययनों में कृषि उत्पादकता का जोत से सम्बन्ध ऋणात्मक स्थापित किया गया है क्योंकि जोत का आकार बढ़ने पर प्रबन्धन की कुशलता में कमी आती जाती है।

सामान्यतः यह माना जाता है कि कृषि को यदि औद्योगिक सम्बन्धों तथा उत्पादन के प्रक्रम में रखा जाए तो, कृषि की लागत और उत्पादन के मूल्य में अधिक अन्तर नहीं होगा । इसका सीधा अर्थ यह है कि कृषि में लाभकारी स्थिति उत्पादन में अधिक व्यापक स्तर पर आ पाती है । लघु एवं सीमान्त कृषक यदि कृषि आदाओं के साथ श्रम का मूल्य भी सम्मिलित करने पर कृषि कार्य लाभकारी उद्यम नहीं रह जाता। अविकसित प्रदेशों में इस लागत– आय के अध्ययनों की अत्यन्त अल्पता है। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में उत्पादकता के कारकों की पहचान के साथ लागत –आय का अध्ययन करना अधिक महत्वपूर्ण है ।

साहित्य सर्वेक्षणः– सिंह, जैन एवं नाहटकर, (1988) एवं राजपूत (1990) ने सीहोर जिले के संदर्भ सीहोर एवं भोपाल जिलों के क्रमशः सीहोर एवं फंदा ब्लॉक के अन्तर्गत रबी की उत्पादकता का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि इस क्षेत्र में उत्पादकता में कमी का प्रमुख कारण उन्नत तकनीक पर न्यूनतम व्यय है। पूँजी की कमी, रासायनिक खादों की अधिक कीमत, सिंचाई के साधनों की कमी तथा जोतों का छोटा आकार इत्यादि के होने से उत्पादकता अपेक्षा के अनुरूप नही बढ़ पा रही है।

उद्देश्य :–

1. सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में रवी एवं खरीफ की फसलों का अध्ययन करना।
2. सिहोर जिले में कृषि उत्पादन के अंर्तगत लागत एवं आय का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

1. सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में रवी एवं खरीफ की फसलों में सार्थक अंतर नहीं है
2. सिहोर जिले में कृषि उत्पादन के अंर्तगत लागत एवं आय में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

सीमाएॅः–

1. सिहोर जिले को लिया गया हैं।
2. सिहोर जिले के 10 गांवो का चुनाव किया गया हैं।

शोधविधि :–

वास्तव में अनुसंधान एक प्रक्रिया है। जिसमें प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर किसी समस्या का विश्वसनीय समाधान ज्ञात किया जाता हैं। अनुसंधान एक व्यवस्थित तथा सुनियोजित प्रक्रिया हैं। जिसके द्वारा मनुष्य जीवन को प्रभावी बनाया जा सकता हैं। संबंधित प्रदत्तों का सारणीयन व उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों के उपयोग से परिणामों को ज्ञात करने के बाद अगला महत्तवपूर्ण कार्य उन परिणामों का विश्लेषण व व्याख्या करना होता हैं।

न्यादर्श :– सिहोर जिले के 10 गांवों का चयन किया गया है और उनमें विभिन्न किसानों को यादृच्छिक विधि द्वारा चुना गया है।

उपकरण :– शोधकर्ता द्वारा स्वयं निर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया। प्राथमिक आंकड़ों का संकलन प्रश्नावली एवं साक्षात्कार के माध्यम से किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी :– प्रस्तुत शोध कार्य में मूल आंकड़ो का विश्लेषण करने हेतु माध्यमान, मानक विचलन तथा क्रांतिक अनुपात निकाला गया है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 01 :– सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में रवी एवं खरीफ की फसलों में सार्थक अंतर नहीं है

तालिका कमांक –1

सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में रवी एवं खरीफ से संबंधित प्राप्तांको के मध्यमान, मानक विचलन, टी–मूल्य

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	टी–मूल्य (t)	परिणाम
कृषि उत्पादन में रवी	100	65.55	21.52	2.82	0.05 स्तर पर सार्थक अंतर हैं।
कृषि उत्पादन में खरीफ	100	59.45	20.05		

विश्लेषण एवं व्याख्याः– :– तालिका कमांक –1 कृषि उत्पादन में सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में रवी एवं खरीफ संबंधित प्राप्त प्राप्तांको का विश्लेषण किया गया है, जिसमें प्राप्तांकों के मध्यमान 65.55 व 59.45 मानक विचलन 21.52 व 20.05 प्राप्त हुआ है, एवं दोनो मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–मूल्य के द्वारा ज्ञात की गई है जिसमें टी का मान 2.82 प्राप्त हुआ जो की 0. 05 विश्वास स्तर पर सार्थक पाया गया ।

परिकल्पना 2 :– सिहोर जिले में कृषि उत्पादन के अंर्तगत लागत एवं आय में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

तालिका क्रमांक –2

सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में लागत एवं आय से संबंधित प्राप्तांको के मध्यमान, मानक विचलन, टी–मूल्य

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	टी–मूल्य (t)	परिणाम
कृषि उत्पादन में लागत	100	58.45	19.75	2.82	0.05 स्तर पर सार्थक अंतर हैं।
कृषि उत्पादन में आय	100	66.55	22.25		

विश्लेषण एवं व्याख्या:–तालिका क्रमांक –2 कृषि उत्पादन में सिहोर जिले में कृषि उत्पादन में लागत एवं आय संबंधित प्राप्त प्राप्तांको का विश्लेषण किया गया है, जिसमें प्राप्तांकों के मध्यमान 58.45 व 66.55 मानक विचलन 19.75 व 22.25 प्राप्त हुआ है, एवं दोनो मध्यमानों के अंतर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–मूल्य के द्वारा ज्ञात की गई है जिसमें टी का मान 2.82 प्राप्त हुआ जो की 0.05 विश्वास स्तर पर सार्थक पाया गया।

निष्कर्ष:– शोध के अंत में यह कहा जा सकता हैं। कि सिहोर जिले में कृषि कि संभावनाए तो बहुत हैं। रवी एवं खरीफ की फसलों में प्राकृतिक संसाधनों एवं प्रोद्यौगिकी के उपयोगों से भी उत्पादन बढ़ा हैं। इसी प्रकार लागत के अनुसार आय भी किसानों की बढ़ती हैं।

संदर्भ ग्रंथ

1. तिवारी आर.एस. म.प्र. में क्षेत्रीय असमानताओ के कारणो पर दृष्टि क्षेत्र विषमता और सामाजिक आर्थिक विकास संपादक नरेन्द्र शुक्ला म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी

2. बाजपेयी ए.डी क्षेत्रीय विषमताओ का अर्थशास्त्र विषमताओ ओर सामाजिक आर्थिक विकास संपादक नरेन्द्र शुक्ला म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी